Psychological Experiment

मनोविज्ञान का इतिहास उतना ही पुराना है जितना मानव इतिहास। यह बात सही है कि मनोविज्ञान का अध्ययन दर्शन शास्त्र के अन्तर्गत होता था। दर्शनशास्त्र के अन्तर्गत इसका अध्ययन होने के कारण इसे विज्ञानिक रूप के रूप में मान्यता नहीं थी। लम्बे समय से इसे विज्ञान की श्रेणी में लाने की कोशिश जारी थी। 1879 में Wundt ने Leipzig में मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला की स्थापना की, जिसे मनोविज्ञान की पहली प्रयोगशाला के रूप में मान्यता मिल गयी।

मनोविज्ञान एक प्रयोगात्मक विज्ञान है, कारण इसमें प्रयोग किया जाता है। इस अर्थ में मनोविज्ञान भौतिक विज्ञान, रसायन-विज्ञान, जीव-विज्ञान आदि के समान है। इन विज्ञानों के तरह मनोविज्ञान में भी प्रयोग किया जाता है। मनोविज्ञान में मनुष्यों तथा पशुओं पर प्रयोग किया जाता है। अब प्रश्न उठता है कि प्रयोग का क्या अर्थ है? साधारणतः नये ढंग से किसी क्रिया को करने का प्रयास ही प्रयोग है। मनोविज्ञान में प्रयोग का अर्थ है प्राणी के व्यवहार का वह व्यवस्थित अध्ययन जो नियंत्रित अवस्था

FREEMIND

Date
Page

में किया जाता है। जो प्रयोग करता है, उसे प्रयोगकर्ता कहते हैं। प्रयोगकर्ता के लिए सामान्यतः 'E' का प्रयोग या व्यवहार किया जाता है। जिस पशु या व्यक्ति पर प्रयोग किया जाता है, उसे प्रयोज्य अथवा Subject कहते हैं। प्रयोज्य के लिए 'S' अक्षर का व्यवहार किया जाता है। प्रयोगकर्ता किसी समस्या पर प्रयोग करने के पहले एक Hypothesis बनाता है। परिकल्पना का अर्थ यह है कि प्रयोगकर्ता प्रयोग करने के पूर्व अनुमान करता है कि इस प्रयोग में अमुक परिणाम एवं निष्कर्ष प्राप्त होंगे। फिर वह वातावरण को नियंत्रित करता है। वातावरण को नियंत्रित करने का अर्थ यह है कि अध्ययन विषय जैसे- सीखना, स्मरण, विस्मरण आदि को प्रभावित करने वाले सभी कारकों या चरों के प्रभाव को कुछ विशेष तरह से रोक दिया जाता है। और केवल उसी कारक या चर के प्रभाव को पड़ने दिया जाता है, जिसके प्रभाव का अध्ययन या निरीक्षण करना प्रयोगकर्ता का उद्देश्य होता है। इस अनियंत्रित चर को प्रयोगात्मक चर तथा अन्य नियंत्रित चरों

Scanned with CamScanner

FREEMI

Date

Page

को स्थिर चर कहते हैं। इस नियंत्रित चरों को स्थिर चर कहते हैं। इस नियंत्रित अवस्था में अध्ययन करके परिकल्पना की जाँच की जाती है।

Chaplin, 1975; ने मनोवैज्ञानिक प्रयोग को परिभाषित किया है, जो काफी संतोषजनक है। उनके अनुसार – " प्रयोग निरीक्षणों की एक शृंखला है, जो एक परिकल्पना की जाँच के उद्देश्य से नियंत्रित परिस्थितियों में किया जाता है।"

Om Prakash Keshri
Deptt of Psychology
Maharaja College, ARA.

Scanned with CamScanner